

शक्ति (गाँव)

जमनेडी (बस्कागाँव)

1986.

50 (1986)

150 (1989)

- पुलिस
अव्याचार के
विरुद्ध

- काम के
• कुआँ
• पम्प

दिलवाया

ग्राम कोष
न के बराबर

- कौन्सिल / इकाई
- जेजेके पर मिर्च
- जुलूस जाते हैं

विषय

मिर्चा

टिप्पणी

↓
जेजेके
साथी
जुलूस
में जाते

↓
काम
कार्यक्रम पर
इवेंट से

भाष्य का
काम
• टिप्पणी
पूर्णः

- x निष्केषण नहीं हुआ
- x साथियों का विचार भी
संघर्ष बनाने की है।
- * स्थानीय विषय पर निपटाने
की नहीं।

कालकावले

(चमगाडा)

1984

40

कालक ले व्कीम

बोफ कोण मे

नेहृत्व नही

निर्णय लेके

जाने के

खेचम अपने

1989

50

- पम्प

कुछ धार है

उभरा है नरो

कार्यकर्ता का

कार्यकर्ता पर

आप गतिबलने

(कुरमी)

- व्कीम के लिए

की लेने के

रहा।

पूर्ण रूप से

बांध-नहर नजाने

- टाजी पाठशाळा

कार्यकर्ता इसी

बाँधे है।

पर विफलता

- उल के कावप्रद

से पीले दरे

साप्ताहिक

पक्का इनको

नांध बनाते

खेचम नजाने

में कुछ नेहृत्व

को कहा जा सकता

उभरा है।

है।

- वरम से

कालक से सहायता

कालक के

लेना नही चाहते तो

जुम्ले में

नया मजकूर करना

आवा लिया।

उचित होगा ?

बनोगे के

खेचम को

नजरअन्दाज

करना ?

मजदूर किसान मोर्चा / गाँव का स्वरूप :-

गाँव	प्रकार	सदस्यता	संघर्ष/मुद्दे	विचार	नेतृत्व	ग्राम कोष	टिप्पणी
पल्लुशेरी	नरक ६।	* आदिवासीयों में अनौपचारिक सदस्यता	* संघर्ष के लिए डैम.	→ जेजेके राहतकार्य	→ JJK लंछ्या लेन कार्यकर्ता	→ नहीं है	→ इस पूरा नहीं हो पाया/जानी पहिले बिजे के वजह के नह गया.
शंकर १० वर्ष ले (१९७९)		* इतवार को बैठक.	* शक्ति का जिक्र जल धारा (७ कुआँ)	→ लोका + कार्यकर्ता	→ JJK कार्यकर्ता.		→ कुआँ आधा बना है - सभी ने धूस दिये हैं।
घटवार ३५		* कोई मानक सफल नहीं	* रबी पाठशाला	- जेजेके	→ जेजेके		→ रबी पाठशाला सबसे मजबूत करे.
अदिसाली ५५			* जंगल सुरक्षा	- जेजेके	→ स्थानीय		→ वचाने का प्रयत्न सफलता नहीं मिली.

योजना का माहौल - labourers worked on relief programme

- difference of opinion on actual site selection - villagers - Eng - "bossing" experience - "villagers do not know anything - passive reluctant agr"
- complications in payment - daily wage Rs 16/. They were getting
- Stone breaking: 10' length - 10' breadth - 1' height - earned Rs 60/cu m but paid only Rs 35 - saying that the stone breaking was not up
- but 4 labourers were paid Rs 60/- per Cu³ - resentment - fight and labourers - accepted Rs 35/- (19 1/2 Cu³ gitti).
- 16 labourers worked for 3 weeks @ Rs 16/p.day + some "mishri" work @ Rs 30 p.day.
- labourers were not aware of the cost of Dam.

* Rally: No use - कठोरनी दरे नै जाते हैं - ऊँच होता मही है। कहे हैं की दरे यन्त्रो नया सिना ?

<p>* 16×24</p> $\begin{array}{r} 16 \\ 320 \\ \hline 336 \times 16 = 5376 \\ 2016 \\ 336 \\ \hline 5376 \\ 1100 \\ \hline 6476 \end{array}$	<p>$15 \times 35 = 2$</p> $\begin{array}{r} 75 \\ 45 \times \\ \hline 525 \\ 300 \\ \hline 825 \end{array}$ <p style="text-align: center;">3</p>	<p>60×5</p> $\frac{300 \times 5}{19000}$	<p>16×10</p> $\begin{array}{r} 160 \\ 160 \\ \hline 280 \\ 16 \\ \hline 296 \end{array}$	<p>$296 \times 16 = 35$</p> $\begin{array}{r} 1776 \\ 296 \\ \hline 4736 \end{array}$
---	---	--	--	--

₹ 5000
 1000
 1000
 5000
 5000
 19000

20000 ? 50000

मजदूर विज्ञान मोर्चा / गांधि का स्वल्प :-

गांधि	पुस्तक	वदस्तता	संदर्भ/पुस्तके	बिचार	नेतृत्व	ग्राम क्षेत्र	टिप्पणी
वाडीसडम्	→ इंचाक	80-90 के	* कुम्हार को CO ने मारा था/उस पर संघर्ष किया	स्थानीय व JJK	JJK कार्यकर्ता	नहीं है	
80 परिवार	→ कोरी कुम्हार रविदास भुईयाँ	* नीच से श्रमिकों व छोटे किसानों के बीच संपर्क है। * औपचारिक सदस्यता नहीं है।	- ब्लॉक में घेराव - DC कार्यालय पर जुलूस - साप्ताहिक मंडाई * ब्लॉक के कर्मचारी को धूमकोशी पर - ब्लॉक में जुलूस	JJK द्वारा	JJK. 6000 समूह-नापा.		जाँच सही तरीका गहन/असर न के बराबर
			* श्रमिकों को जमीन/पर्क JJK कार्यकर्ता ने किया पर कब्जा नहीं हुआ।	JJK + स्थानीय लोगों ने आगलिया पर नेतृत्व JJK	→ JJK		→ धूम पर कोई कारवाही नहीं
				- स्थानीय + JJK.	→ JJK कार्यकर्ता पर		- "नीखल सहो हमो नेता है" के टिप्पणी गाँव के जापसी की - निश्चित। ज्यादा है।

प्र. नि. मोर्चा (गाँव)

परकुड़डा (पुरख)	शुरुआत/उद्देश्य	सदस्य	संघर्ष-विचार कहां से आया	ग्राम कोष	स्थानीय नेतृत्व	निर्णय लेने में कौन	निर्णयता	टिप्पणी
(36) (परिवार)	1986/संघर्ष (राजी स्कूल)	30 (1986) 18-20 (1989) (अदिवामी गाँव) (सदस्यता पर complication.)	- जेजेके. स्कूल कुआँ जंगल सुरक्षा परचा.	नहीं है - कोष दे नहीं पाते.	- इकोवा युवा यात्री उमरे हैं - अशक्त/articulate - गाँव में अपना विचार नहीं	- जेजेके पर	जेजेके कार्यकर्ताओं पर पूर्ण रूप से.	<ul style="list-style-type: none"> • सदस्यता पर जो स्पष्टता नहीं है उसका विश्लेषण/निर्णय गाँव पर नहीं होता। • अनाक के योजना (दुकान/बैंक) को मिलने के बाद उस पर गाँव में MKM के साथ कोई विचार-विमर्श नहीं।

गाँव/जेजेके के कार्यकर्ता पर निर्भर है

अकाकुंभा (पुरख) (60 परिवार)	1986/तालाब 1 स्कूल	40 (1986) 80 (1989) (अनौपचारिक)	जेजेके. स्कूल जंगल सुरक्षा तालाब राष्ट्रिय कार्य वन विभाग शोषण.	1989/650/- - तालाब के काम से.	पहले से विष्णु शेर आदिवामी सफल नेतृत्व पर गाँव में विघटन.	जेजेके पर.	जेजेके आर्थिक रूप से वैचारिक.	<ul style="list-style-type: none"> • ग्राम कोष से संघर्ष का दूरना। • भ्रष्टाचार को कोष साध देना। • सदस्यता पर क्लिष्टता है।
--------------------------------	-----------------------	---------------------------------------	--	----------------------------------	---	------------	-------------------------------	--

नभी जल आवश्यकता होती है।

" We are fighting the technosphere with the technosphere by the technosphere in the technosphere for the saving of the biosphere," Mr. Bulu Imam observed when asked why modern equipments were being used by environmentalists and traditionalists. Dr. S.K. Moitra felt that a private sector company like TATAs, as per the subject of his paper at the Seminar, were providing efficient facilities for tribals through Community Development and Social Welfare programmes, Education and Scholarships, Economic Development, Sports, Health, Hygiene, and Rural Development and a Tribal Cultural Centre.

The Seminar recognized the valuable role of the private sector in this regard. Dr. B.P. Rukhaiyar in his paper felt, that technology has disturbed the privacy and isolation of the tribals ending in poverty and exploitation of the tribal people in general. His statistics showed that 88% of Scheduled Tribes are engaged in agriculture, while the number of tribals in important posts in industrial projects was insignificant, while the percentages of unskilled labour were quite high. He noted socio-cultural and physiological changes as a result, affecting the tribal youths and leading to unheard of crime rates due to the affect on tribal economy from loss of traditional lands. The paper presented by Professor Anil K. Gupta of Indian Institute of Management, Ahmedabad, focused on ecological conflicts, and Tribal Protest Strategies. He felt tribals were free to maintain traditional religious-cultural heritage in face of development. Dr. Elias Lakra, President, Adivasi Kalyan Parishad, Hazaribagh, was of the view that tribals of Chotanagpur were not receiving the adequate compensations from revenues earned by mining, forestry, and industrialization of the region.

YOUNG INTACH members Anindo Roy, Inderjit Samonto, and Sanjay Kumar Lal felt tribals should be allotted reserved areas, greater autonomy, and that their individual tribal laws be respected, and that tribal lands should be restituted to prevent industrial nomadicism, especially through dams, mining, etc.. Regeneration of green cover and protection of top-soil from industrial exploitation they stressed was necessary. This was unanimously agreed upon. Mr. Bulu Imam, Convener, felt tribal identity was being affected by religio-cultural and industrial inroads and lack of autonomous rights for tribals empowering them to protect their forests, and affecting the concept of Common Property Resources which is a fundamental requirement of their social culture and relationship with nature. He also stressed tribal rights to traditional tribal lands should allow settlement operations to create title.

Pandurang Kogde

Kalgunj 1/10

W. M. G. G.

W. M. G. G.